



युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण ग्रुप जुलाई, 2022 मास के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

जुलाई मास का चार्ट:

लक्ष्य - पुण्य कर्म से जमा का खाता

बाबा ने हम बच्चों को समझाया है कि दान से भी ज्यादा महत्व पुण्य का है. पुण्य कर्म निःस्वार्थ सेवाभाव का कर्म है. पुण्य कर्म में दिखावा नहीं होता है, लेकिन वह दिल से होता है. पुण्य कर्म करने वाली आत्मा को अनेक आत्माओं की दिल की दुआएँ प्राप्त होती है. पुण्य आत्मा परमात्म दुआएँ एवं आत्माओं की दुआएँ से प्राप्त हुए प्रत्यक्षफल से भरपूर होते हैं. पुण्य आत्मा की वृत्ति, दृष्टि औरों को भी दुआएँ अनुभव कराती है. पुण्य आत्मा के चेहरे पर सदा प्रसन्नता, संतुष्टता की झलक दिखाई देती है. पुण्य आत्मा सदा प्राप्त हुए फल के कारण अभिमान और अपमान से परे रहती है. पुण्य आत्मा पुण्य की शक्ति द्वारा स्वयं के हर संकल्प, हर समय की हलचल को, हर कर्म को सफल करने वाले होते हैं.

तो आईये, हम पुण्य का खाता जमा कर विश्व के राज्य के तख्तनशीन बनें.

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	हर आत्मा को सहयोग देंगे.
दूसरा	जो भी सेवा करे वह दिल से करे.
तीसरा	अभिमान और अपमान से परे रहना.
चौथा	चेहरे पर प्रसन्नता और संतुष्टता की झलक

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है. उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है. रोज रात को चेक करना है कि कितना % पुण्य का खाता जमा किया.

❖ विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें. जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)

1. पुण्य कर्म अर्थात क्या?
2. पुण्य का खाता जमा करने की विधि क्या है?
3. पुण्य आत्माओं की निशानियाँ?
4. Action Plan बनाएं.

❖ फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला-3.30 से 4.45
3. व्यायाम/पैदल-हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल - 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. नुमाशाम का योग-हाँ जी
8. स्वमान की स्मृति-बहुत अच्छी
9. पुण्य का खाता - 60%
10. गुड नाईट - रात्रि - 10.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:

1. सबको सुख देंगे और सबसे सुख लेंगे.
2. न कभी किसी को दुःख देंगे और न किसी से दुःख लेंगे.

❖ अभ्यास: हर घंटे एक मिनट के लिए बाबा से ज्ञान, गुण और शक्तियों की किरणें स्वयं में धारण कर अन्य आत्माओं को देना है.

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें.

सप्ताह	स्वमान
पहला	मैं आत्मा सर्व सहयोगी हूँ.
दूसरा	मैं आत्मा निमित्त और निर्माण हूँ.
तीसरा	मैं आत्मा स्वमानधारी हूँ.
चौथा	मैं आत्मा संतुष्टमणि हूँ.

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org